

# हिंदी ऑनलाइन कक्षा कक्षा - नवी

विषय – हिंदी

पाठ : ६

पाठ का नाम : रहीम के दोहे

PPT-5

---

**CHANGING YOUR TOMORROW**

---

## निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए-

**प्रश्न 1 - टूटे से फिर ना मिले, मिले गाँठ परि जाय।**

**उत्तर** - जब कोई धागा एक बार टूट जाता है तो फिर उसे जोड़ा नहीं जा सकता। जोड़ने की कोशिश में उस धागे में गाँठ पड़ जाती है। किसी से रिश्ता जब एक बार टूट जाता है तो फिर उस रिश्ते को दोबारा जोड़ा नहीं जा सकता। उसमें पहले जैसा कुछ नहीं रहता।

**प्रश्न 2 - सुनि अठिलैहैं लोग सब, बाँटि न लैहैं कोय।**

**उत्तर** - अपने दर्द को दूसरों से छुपा कर ही रखना चाहिए। जब आपका दर्द किसी अन्य को पता चलता है तो लोग उसका मजाक ही उड़ाते हैं। कोई भी आपके दर्द को बाँट नहीं सकता। सभी आपके दर्द में आपका मजाक ही बनाते हैं अतः सही है कि आप आपने दर्द को अपने मन में ही रखें।

### प्रश्न 3 - रहिमन मूलहिं सीचिबो, फूलै, फलै अघाय।

**उत्तर** - एक बार में कोई एक कार्य ही करना चाहिए। एक काम के पूरा होने से कई काम अपने आप हो जाते हैं। यदि एक ही साथ आप कई लक्ष्य को प्राप्त करने की कोशिश करेंगे तो कुछ भी हाथ नहीं आता। यह वैसे ही है जैसे जड़ में पानी डालने से ही किसी पौधे में फूल और फल आते हैं।

### प्रश्न 4 - दीरघ दोहा अरथ के, आखर धीरे आहिं।

**उत्तर** - किसी भी दोहे में कम शब्दों में ही बहुत बड़ा अर्थ छिपा होता है। यह वैसे ही होता है जैसे नट की कुंडली होती है। नट अपनी कुंडली में सिमट कर तरह तरह के आश्वर्यजनक करतब दिखा देता है।

### प्रश्न 5 - नाद रीळि तन देत मृग, नर धन देत समेत।

**उत्तर** - हिरण किसी के संगीत से खुश होकर अपना शरीर न्योछावर कर देता है। इसी तरह से कुछ लोग दूसरे के प्रेम से खुश होकर अपना सब कुछ दे देते हैं। परन्तु कुछ लोग इतने स्वार्थी होते हैं कि वे दूसरों से तो बहुत कुछ ले लेते हैं लेकिन खुद बदले में कुछ भी नहीं देते।

**प्रश्न 6 - जहाँ काम आवे सुई, कहा करै तरवारि।**

**उत्तर** - जहाँ छोटी चीज की जरूरत होती है वहाँ पर बड़ी चीज बेकार हो जाती है। जैसे जहाँ सुई की जरूरत होती है वहाँ तलवार का कोई काम नहीं होता। अतः किसी को छोटा समझ कर उसका मजाक नहीं उड़ाना चाहिए।

**प्रश्न 7 - पानी गए न ऊबरै, मोती, मानुष, चून।**

**उत्तर** - बिना पानी के न तो मोती बनता है, न आटा गूँधा जा सकता है और पानी के बिना मनुष्य जीवन भी असंभव है।

निम्नलिखित भाव को पाठ में किन पंक्तियों द्वारा अभिव्यक्त किया गया है-

प्रश्न 1 - जिस पर बिपदा पड़ती है वही इस देश में आता है।

उत्तर - जा पर बिपदा पड़त है, सो आवत यह देस

प्रश्न 2 - कोई लाख कोशिश करे पर बिगड़ी बात फिर बन नहीं सकती।

उत्तर - बिगरी बात बनै नहीं, लाख करौ किन कोय।

प्रश्न 3 - पानी के बिना सब सुना है अतः पानी अवश्य रखना चाहिए।

उत्तर - रहिमन पानी राखिए, बिनु पानी सब सून।

उदाहरण के आधार पर पाठ में आए निम्नलिखित शब्दों के प्रचलित रूप लिखिए -

उदाहण : कोय - कोई , जे - जो

ज्यों	जैसे	कछु	कुछ
नहि	नहीं	कोय	कोई
धनि	धन्य	आखर	अक्षर
जिय	जी	थोरे	थोड़े
होय	होना	माखन	मक्खन

तरवारि	तलवार	सींचिबो	सींचना
मूलहिं	मूल को	पिअत	पीना
पिआसो	प्यासा	बिगरी	बिगड़ी
आवे	आए	सहाय	सहायक
ऊबरै	उबरना	बिनु	बिना
बिथा	व्यथा	अठिलैहैं	हँसी उड़ाना
परिजाए	पड़ जाए		

**THANKING YOU  
ODM EDUCATIONAL GROUP**